# तुफयाल अहमद की कविताएँ

## एक कहानी

जो थी मेरे घर की रौशनी, आज कहीं वो खो गई
थी जिससे मेरी हर खुशी, हो गई वो कुर्बान कहीं।

आंखों में उसके थे, ना जाने कितने सपने
आंसुओं में बह गए सब, रह गई ख्वाहिशें अधूरी अपने।

थी वो नन्ही एक परी, जिसका आसमां था खुला
कट गई उसकी पतंग, टूट गया सपना भोला।

चल रही थी कश्ती उसकी, करने को था जहान सफर
आया अंधड़, उठ गया तूफान, बुझ गया वो आशाओं का घर।

थी वो मूरत प्यार की, हर किसी से चाहत रखती थी
पर एक क़ातिल आया ऐसा, जिसने उसकी दुनिया लूट ली।

क्या थी उसकी गलती यारों, जो मिली उसे ऐसी सजा
जीने का हक़ सबको मिला, वो भी थी इंसान हम जैसा।

क्षण भर का है ये जीवन, फिर किसका किससे क्या गिला
बंद हुई जब उसकी आंखें, दुनिया बन गई खाली सिला।

करता हूं दुआ रब से यही, ना हो बर्बादी किसी की फिर
मिले मजलूम को इंसाफ़ यहाँ, मिटे हर मुजरिम का ज़हर।

## मैं कौन हूं?

प्रकृति की गोद में खिलता, मैं एक नन्हा फूल हूं
मुरझा जाऊं कभी भी, मैं कोमल सी एक कलि हूं।
संभाल लेना तुम मुझे, ऐ फ़िज़ाओं के सरताज,
अगर तेज़ हो जाए धूप, उजड़ा हुआ एक चमन हूं।
मैं कौन हूं?

पहाड़ों से गिरता झरना, मैं बहता निर्मल पानी हूं
ख़त्म हो जाऊं कभी भी, मैं जीवन की एक रवानी हूं।
रास्ता दिखा देना तुम मुझे, ऐ सागर के सरदार,
अगर भटक जाऊं कहीं, मैं बदनसीब सी झील हूं।
मैं कौन हूं?

बादलों की गोद में नाचता, मैं बूंद-बूंद पानी हूं
बरस जाऊं कभी भी, मैं बेखबर सी बारिश हूं।
प्यार से गिरा देना मुझे, ऐ हवाओं के हमदर्द,
अगर बन जाऊं सैलाब, मैं नासमझ सा उपहार हूं।
मैं कौन हूं?

आसमान की बाहों में चमकता, मैं एक सितारा हूं
टूट जाऊं कभी भी, मैं रातों का एक इशारा हूं।
संभाल लेना मुझे, ऐ गगन के मालिक,
अगर खो जाऊं कहीं, मैं अधूरा सा एक ख्वाब हूं।
मैं कौन हूं?

गलतियों के सागर में डगमग, मैं भटकती कश्ती हूं
डूब जाऊं कभी भी, मैं एक भ्रमित मांझी हूं।
माफ़ कर देना तुम मुझे, ऐ मेरे परवरदिगार,
अगर बिखर जाऊं शब्दों में, मैं बेकसूर सी रूह हूं।
मैं कौन हूं?

## तुम कहां चले गए?

ज़िन्दगी के किताब में
लिखने लगा था एक कहानी
रह गयी यह अधूरी
छोड़ के तुम, गए कहां ?

हो गयी, यह रात अंधेरी
तुम ही थे, ऐक चांद सा सहारा
लगता है डर, अब जीने में
कौन संभाले, मुझको यहां ?

काँटो से भरा हैं, यह जहान
राह भटके, हम सदा
हाथ पकड़ के, कौन बचाए
ना हैं कोई, साथ यहां ।

रहना तुम, अब हर पल
बनके छाया, साथ मेरा
धूप हैं यहां, बहुत तेज
मिट जाऊंगा, ना जाने कहां ?

**ए.एम. तुफयाल अहमद,**
एम.ए अंग्रेजी, प्रथम वर्ष, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय,
गच्चीबोवली, हैदराबाद, 500032, तेलंगाना, **फोन नंबर-** 7002318690
**स्थाई पता-** गांव- लखिरबॉन्ड, जिला- हैलाकांडी, राज्य- असम, 788155
E-Mail: thufayalahmed10@gmail.com